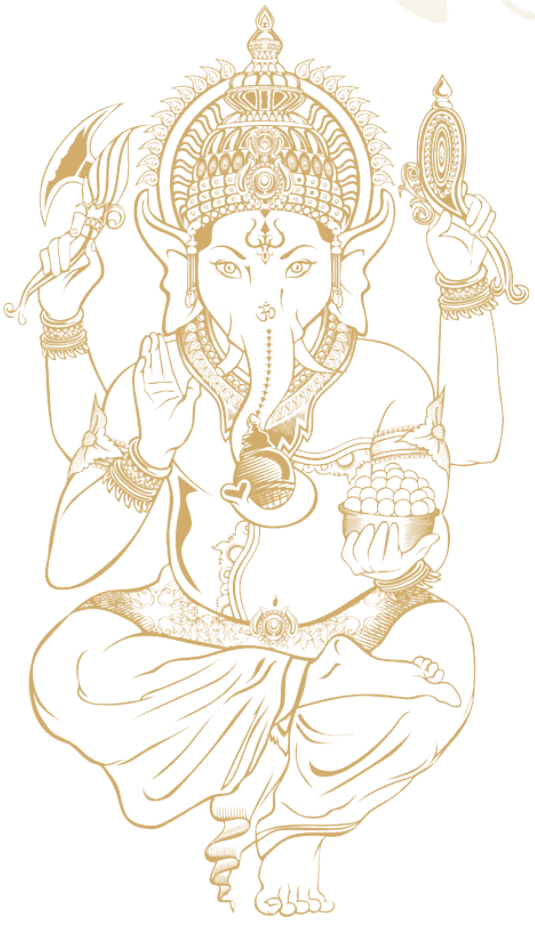

Mr.gaurav gupta

Ms.shrishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120282004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/07/2002	जन्म तिथि	16-17/08/2002
शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 10:31:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 12:09:05	जन्म समय(घटी)	52:26:16 घटी
India	देश	India
Dausa	स्थान	Dausa
26:51:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
76:21:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:36	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:21	सूर्योदय	05:56:29
19:21:10	सूर्यास्त	19:00:50
23:53:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 3मा 2दि	29:25:06	सिंह	लग्न	मिथु	19:51:50	बुध 14वर्ष 7मा 15दि
शुक्र	26:45:34	मिथु	सूर्य	कर्क	29:56:29	शुक्र
15/10/2007	03:19:11	सिंह	चंद्र	वृश्चि	18:31:44	01/04/2024
15/10/2027	05:50:03	कर्क	मंगल	कर्क	28:00:54	01/04/2044
शुक्र 14/02/2011	17:31:55	मिथु	बुध	सिंह	22:53:12	शुक्र 02/08/2027
सूर्य 14/02/2012	01:45:45	कर्क	गुरु	कर्क	09:25:53	सूर्य 01/08/2028
चन्द्र 15/10/2013	08:44:03	सिंह	शुक्र	कन्या	15:49:29	चन्द्र 02/04/2030
मंगल 15/12/2014	28:50:33	वृष	शनि	मिथु	02:32:01	मंगल 02/06/2031
राहु 15/12/2017	23:34:04	वृष व	राहु	वृष	21:35:15	राहु 02/06/2034
गुरु 15/08/2020	23:34:04	वृश्चि व	केतु	वृश्चि	21:35:15	गुरु 31/01/2037
शनि 15/10/2023	04:20:01	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	03:05:29	शनि 01/04/2040
बुध 15/08/2026	16:13:16	मक व	नेप व	मक	15:17:44	बुध 31/01/2043
केतु 15/10/2027	21:29:57	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:02:07	केतु 01/04/2044

लग्न-चलित

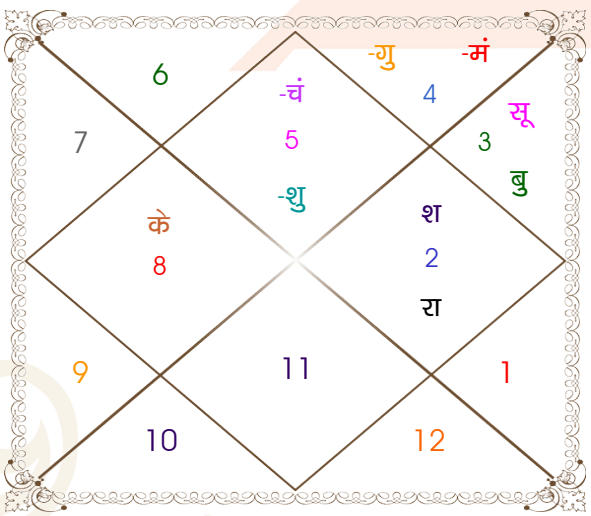

लग्न-चलित

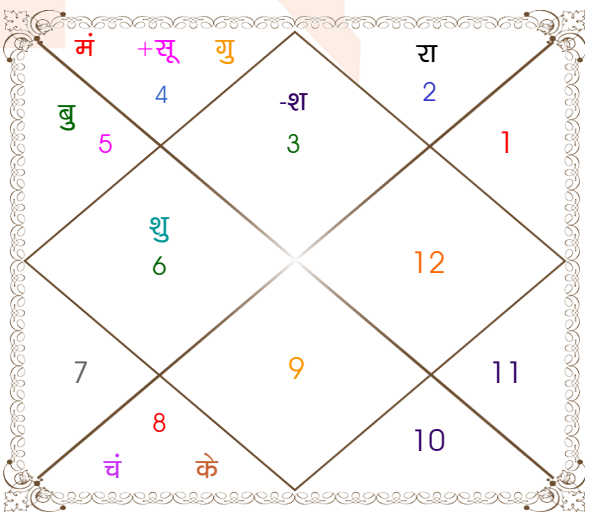

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

डतण्हंनतंअ हनचजं का वर्ग मूषक है तथा Ms.shrishti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्हंनतंअ हनचजं और Ms.shrishti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्हंनतंअ हनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्हंनतंअ हनचजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्हंनतंअ हनचजं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्हंनतंअ हनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.shrishti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.shrishti कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्हंनतंअ हनचजं तथा Ms.shrishti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।